भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. 4873

सोमवार, 23 मार्च, 2026/02 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**राजस्थान में धार्मिक परिपथ का विकास**

**4873. श्री अमरा रामः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का खाटू श्याम जी, जीण माता जी, लोहागल, शाकंभरी, सालासर, रामदेवरा, मुकाम और करणी माता को सम्मिलित करते हुए एक धार्मिक परिपथ विकसित करने का विचार है और यदि हां, तो ऐसे धार्मिक परिपथों को कब तक विकसित किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या उक्त धार्मिक परिपथों को विकसित करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) और (ख): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय, केंद्रीय क्षेत्र की अपनी चालू योजनाओं जैसे-'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'-स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के माध्यम से राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को, उनके साथ परामर्श से पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके प्रयासों को संपूरत करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान राज्य में धार्मिक स्थलों सहित कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' नामक योजना के तहत राजस्थान राज्य में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनका विवरण निम्नानुसार है:

| परियोजना का नाम | स्वीकृति वर्ष | स्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में) |
|---|---|---|
| आमेर-नाहरगढ़ और आसपास के क्षेत्र में विकास | नवंबर 2024 | 49.31 |
| जल महल में विकास कार्य | नवंबर 2024 | 96.61 |

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इन योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं का कार्यान्वयन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करता है और संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को समयबद्ध तरीके से परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

*****

**अनुबंध**

श्री अमरा राम द्वारा राजस्थान में धार्मिक परिपथ का विकास के संबंध में दिनांक 23.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 4873 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

राजस्थान राज्य में एसडी**,** एसडी **2.0** और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

**(राशि करोड़ रु. में)**

| **क्र. सं.** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृति वर्ष** | **स्वीकृत राशि** | **स्थिति** |
|---|---|---|---|---|
| **क** | **स्वदेश दर्शन 1.0** | | | |
| i. | जयपुर जिले में सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास | सितम्बर 2015 | 50.01 | पूर्ण |
| ii. | गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (राजसमंद) और नाथद्वारा (सीकर) का विकास | सितम्बर 2016 | 75.80 | पूर्ण |
| iii. | आध्यात्मिक परिपथ - 'चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदके बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास | मार्च 2017 | 87.05 | पूर्ण |
| iv. | विरासत परिपथ राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास | जून 2017 | 70.61 | पूर्ण |
| **ख** | **स्वदेश दर्शन 2.0** | | | |
| i. | केशोरायपाटन में आध्यात्मिक अनुभव | फरवरी 2024 | 21.65 | जारी |
| ii. | श्री खाटू श्याम जी मंदिर में (सीकर) विकास कार्य | मार्च 2025 | 87.87 | जारी |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| iii. | श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर में विकास कार्य | जुलाई 2025 | 22.58 | जारी |
| iv. | मालासेरी डूंगरी, भीलवाड़ा जिले का विकास | जुलाई 2025 | 48.73 | जारी |
| **ग** | **प्रशाद** | | | |
| i. | पुष्करअजमेर का एकीकृत विकास/ | अक्टूबर 2015 | 32.64 | पूर्ण |

******